Increase in the Import of Pulses

7637. SHRI GUNDAPPA KORWAR: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether there has been an increase in the import of pulses;

(b) if so, the total quantity of pulses imported during 1993-94, 1994-95 and likely to be imported during 1995-96;

(c) the total amount of foreign exchange incurred on it;

(d) whether Government propose to make the country self sufficient in respect of pulses; and

(e) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF FOOD (SHRI AJIT SINGH): (a) to (c) Yes, Sir. The quantity of pulses imported and the value thereof during 1992-93, 1993-94 and 1994-95 (upto January, 1995) are given below :—

Year	Quantity (In lakh MTs)	Value (Rs. in crores)
1992-93 . .	5.79	325.98
1993-94 . . .	6.27	567.36
1994-95 . . . (Apr'94-Jan'95)	4.70	473.63

The import of pulses is under OGL and therefore no precise estimate of import during 1995-96 can be made at this stage.

(d) and (e) The production of pulses during 1993-94 was 13.10 million MTs as against the demand for about 16 million MTs during 1994-95. The production during 1994-95 is expected to be higher at 14.33 million MTs Government is making all efforts to increase production of pulses in the country with a view to achieving self-sufficiency.

गेहूं और चावल के किफायती मूल्य

7638. **श्री राम जेठमलानी :**

श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने वर्ष 1994–95 के दौरान भारतीय खाद्य निगम से गेहूं और चावल की किफायती कीमतों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर ली है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1994–95 के दौरान गेहूं और चावल की किफायती कीमतें अनुमानत: कितनी-कितनी हैं ;

(ग) क्या यह भी सच है कि निगम ने इस किफायती मूल्य में भंडारण और यातायात के समय होने वाले खाद्यान्न नुकसान को नहीं जोड़ा है ; और

(घ) यदि हां, तो उपरोक्त वर्ष के दौरान निगम को भंडारण और यातायात के दौरान खाद्यान्नों के नष्ट होने के कारण कितनी वित्तीय हानि होने का अनुमान लगाया गया है ?

खाद्य मंत्री (श्री अजित सिंह) : (क) से (ग) वर्ष 1994–95 के दौरान भारतीय खाद्य निगम द्वारा मूल्यांकित मार्गस्थ और भण्डारण हानियों सहित गेहूं और चावल की इकनामिक लागत क्रमश: 562.45 रुपये और 724 रुपये प्रति क्विंटल होने का अनुमान है ।

(घ) वर्ष 1994–95 के दौरान मार्गस्थ और भण्डारण हानियों के कारण भारतीय खाद्य निगम को लगभग 213 करोड़ रुपये की हानि होने का अनुमान है । तथापि, इस वर्ष के लेखों को अन्तिम रूप देने और उनकी लेखा-परीक्षा होने के बाद ही अन्तिम आंकड़े उपलब्ध होंगे ।